संभाग पोस्ट

साप्ताहिक

RNI: MPHIN/2015/60688

जिलों से संभाग तक का सच

email:sambhagpost@gmail.com

वर्ष-9 । अंक-51 । प्रति मंगलवार, इंदौर, 19 मई 2026 से 25 मई 2026 । । मूल्य- 2 रु. । पृष्ठ- 8

उज्जैन नगर निगम का 'फाइल-गायब' गैंग

आरटीआई के सवाल बदले, शिकायत भी 'लापता'!

महाकाल की नगरी में 'सच्चाई से परहेज़' या महाभ्रष्टों को अभयदान..?

SPECIAL REPORT

नवीन गलकर

उज्जैन। भ्रष्टाचार छुपाने के लिए मध्य प्रदेश का प्रशासनिक अमला किस हद तक गिर सकता है, इसका सजीव प्रमाण उज्जैन नगर निगम में देखने को मिल रहा है। उज्जैन नगर निगम के अंतर्गत उद्यानों में हुए पेंटिंग कार्य में कथित महाघोटाले की गूंज अब निगम के गलियारों में अफसरों के पसीने छुड़ा रही है। भ्रष्टाचारियों को बचाने के लिए बकायदा एक 'सिस्टम' काम कर रहा है। पहले भी आरटीआई के मामलों में कानून को ठेंगे पर रखा गया और इस बार भी 'कथित भ्रष्टाचारियों' को बचाने के लिए पूरी सरकारी मशीनरी ढाल बनकर खड़ी हो गई है।

दरअसल नगर निगम, उज्जैन के आयुक्त महोदय को शिकायतकर्ता ने उद्यानों में हुए पेंटिंग कार्य में कथित महाघोटाले की शिकायत की, जब शिकायत पर सन्नाटा पसरा रहा, तो शिकायतकर्ता द्वारा पारदर्शी व्यवस्था का ढोंग करने वालो को आरटीआई आवेदन ठोंका गया। सवाल बेहद साफ थे - शिकायत पर क्या कार्रवाई हुई?

स्वच्छ भारत मिशन विभाग का पत्र आया जिसमे 'अंधेर नगरी चौपट राजा' वाली तर्ज पर सवालों को ही बदल दिया गया। उन्होंने लिख कर दे दिया कि 'आप उद्यानों में हुए कार्यों की जानकारी मांग रहे हैं! बाबा महाकाल की पावन नगरी उज्जैन को स्वच्छ बनाने के नाम पर क्या भ्रष्टाचार के 'रंग' पोते जा रहे हैं? इसे 'त्रुटि' कहें या जानबूझकर की गई हेराफेरी?

जब रिमाइंडर भेजकर इस हेराफेरी पर आपत्ति जताई, तो निगम के भीतर खलबली मच गई। इसके बाद जो जवाब आया, उसने तो कानून की धज्जियां ही उड़ा दीं। शिल्पज्ञ विभाग बकायदा पत्र जारी कर लिखता है - 'प्रकरण अंतर्गत कोई शिकायत प्राप्त ही नहीं है!' अरे साहब, गजब का सिस्टम है आपका! हम पूछना चाहते हैं कि आखिर वो कौन सा 'ऊंचा हाथ' है, जिसके खौफ या मोह में आकर शिकायत को ही गायब कर दिया गया?

'संभाग पोस्ट' कोई मूकदर्शक अखबार नहीं है। हम समाज और देश के प्रति अपनी जवाबदेही को सर्वोपरि मानते हैं। भ्रष्टाचारियों और उन्हें अपनी गोदी में बिठाकर संरक्षण देने वाले आकाओं को उनके अंजाम तक पहुंचाना हमें बखूबी आता है। याद रहे, यह बाबा महाकाल की नगरी है, यहाँ इंसानी अदालतें बिक सकती हैं, लेकिन न्याय की लाठी में आवाज नहीं होती। 'संभाग पोस्ट' इस लड़ाई को आखिरी अंजाम तक लड़ेगा। दस्तावेज हमारे पास हैं, जिद हमारी साफ है— भ्रष्टाचार मुक्त उज्जैन! अब फैसला कमिश्नर साहब आपके हाथ में है!

सुविचार

**हर सुबह नई ताकत लाती है,
बस दिल खोलकर स्वीकार करो।**

संपादकीय

बात-बेबात और विवाद

इसमें दो राय नहीं कि देश के प्रतिष्ठित व शीर्ष पदों पर विराजमान व्यक्तियों को अपने संस्थानों व सार्वजनिक मंचों पर अपनी बात रखने में अतिरेक में सावधानी बरतनी चाहिए। उससे निकलने वाले शब्दों के अर्थों के कई मायने निकाले जा सकते हैं। ऐसी ही चर्चा देश की शीर्ष अदालत के मुख्य न्यायाधीश जस्टिस सूर्यकांत के हालिया बयानों को लेकर हुई। बताया जाता है कि एक अधिवक्ता द्वारा सीनियर का दर्जा दिए जाने के बाबत दायर याचिका पर खिन्न मुख्य न्यायाधीश ने प्रासंगिक संदर्भ में जो कहा, उसको लेकर सवाल उठे। बताया जा रहा है कि 'उन्होंने मौखिक तौर पर कहा कि समाज में पहले से ऐसे परजीवी हैं जो व्यवस्था पर हमला करते हैं, और आप उनके साथ हाथ मिलाना चाहते हैं... कुछ युवा ऐसे हैं, जो रोजगार नहीं मिलने और पेशे में जगह न बना पाने के कारण 'कॉकरोच' की तरह हर जगह फैल जाते हैं। उसमें से कुछ सोशल मीडिया पर सक्रिय हो जाते हैं, कुछ आरटीआई कार्यकर्ता बन जाते हैं और फिर हर किसी पर हमला शुरू कर देते हैं।' निश्चय ही हाल के वर्षों में संपादक विहीन सोशल मीडिया में लोगों के अराजक व्यवहार को देखते हुए यह भले ही यह सत्य न हो, कुछ लोग इसे अर्धसत्य बताते हैं। लेकिन न्याय व्यवस्था के शीर्ष पर बैठे व्यक्ति से इस विषय पर संवेदनशील ढंग से अभिव्यक्ति की अपेक्षा की जाती है। हालांकि, बाद में जस्टिस सूर्यकांत ने 'कॉकरोच' वाले बयान पर कहा है कि 'मीडिया ने उनके शब्दों को गलत ढंग से पेश किया।' उन्होंने अपनी मौखिक टिप्पणी के बाबत कहा कि उनकी बातों को इस तरह पेश किया गया जैसे उन्होंने देश के युवाओं की आलोचना की हो। उनका कथन था कि उनकी टिप्पणी केवल उन लोगों के खिलाफ थीं, जिन्होंने फर्जी या नकली डिग्रियों के सहारे वकालत जैसे पेशों में प्रवेश किया है। ऐसे ही लोग मीडिया, सोशल मीडिया और अन्य सम्मानित पेशों में घुस आए हैं, इसलिए परजीवियों की तरह हैं। उनका इशारा न्यायापालिका पर होने वाले अनुचित हमलों की तरफ था। दरअसल, मुख्य न्यायाधीश ने वकीलों की कानून की डिग्रियों की जांच प्रक्रिया का जिक्र करते हुए कहा कि सोशल मीडिया पर कुछ वकीलों द्वारा डाली जाने वाली सामग्री को देखकर उन्हें कई वकीलों की कानूनी डिग्रियों की प्रमाणिकता पर संदेह है। लेकिन इसके साथ ही विभिन्न राजनीतिक दलों, सोशल मीडिया से जुड़े लोगों व सोशल एक्टिविस्ट ने सीजेआई की टिप्पणी को लेकर प्रतिक्रिया दी हैं। राज्यसभा में एक राजद सांसद ने सार्वजनिक चिट्ठी लिखकर मुख्य न्यायाधीश की भाषा को लेकर चिंता जतायी। उनका कहना था कि बेरोजगारों, आरटीआई कार्यकर्ताओं, मीडिया कर्मियों और असहमति व्यक्त करने वालों की तुलना 'कॉकरोच' व 'परजीवी' से करना लोकतंत्र की मूल आत्मा और उसकी बुनियादी संवैधानिक संस्कृति को आहत करने वाला लगता है। आलोचकों का कहना है कि न्यायपालिका से आशा की जाती है कि वह संवैधानिक संयम व गरिमा की अंतिम शरणस्थली बनी रहे। एक आरटीआई कार्यकर्ता का मानना है कि प्रश्न पूछने का अधिकार लोकतंत्र की आत्मा है, ये व्यवस्था पर हमला नहीं, बल्कि उसे मजबूत बनाये रखने में भूमिका है।

चुनावी वादे पूरे किए? आप के जिले में कितना विकास.. अपनी सरकार के मंत्रियों से सीएम का सीधा सवाल

■ भोपाल । संभाग पोस्ट

मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने रविवार को सभी मंत्रियों के एक-एक काम का हिसाब लिया. उनसे पूछा कि उनके प्रभार वाले जिलों में कितना काम हुआ है, सरकार की योजनाएं-नीतियां समाज के सबसे निचले हिस्से तक कितनी पहुंची हैं. उन्होंने मंत्रियों से पूछा कि उनके विभाग के कामों की क्या स्थिति है और उनके विभाग की उपलब्धियां क्या रहीं.

20 मंत्रियों से की गई वन-टू-वन चर्चा

बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल ने बताया कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और सह-संगठन मंत्री सहित हम लोगों ने करीब 20 मंत्रियों से वन-टू-वन चर्चा की. बैठक में संगठन के पदाधिकारियों ने मंत्रियों से पूछा कि सरकार-संगठन का समन्वय कैसा है, प्रभार वाले जिलों में उनके कितने प्रवास हुए, उस समय संगठन के जो कार्यक्रम थे, संगठन की जो रचना थी, उनकी बैठकें हुई कि नहीं, संगठन से उनका तालमेल कैसा है. खंडेलवाल ने बताया कि जहां तक मंत्रियों के विभागों और उनकी समीक्षा की बात है, उन विषयों पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने उनसे बातचीत की. मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मंत्रियों से पूछा कि कि वो अपने प्रभार के जिले में जा रहे हैं तो स्कूलों की क्या स्थिति है, स्वास्थ्य केंद्रों की क्या स्थिति है, आंगनवाड़ी की क्या स्थिति है, सरकार जो योजनाएं और नीतियां बना रही है, उसके जिलों में निचले स्तर पर कितना असर है.

अपेक्षाओं-उपलब्धियों पर पूछे सवाल

प्रदेश अध्यक्ष खंडेलवाल ने कहा कि मैं समझता हूं कि बैठक में संगठन पदाधिकारियों ने मंत्रियों

से सभी विषयों पर बातचीत की. मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मंत्रियों से पूछा कि चुनाव के समय हमने जो वायदे जनता से किए थे, वो कहां तक पूरे हुए. सरकार की जो अपेक्षाएं हैं, उन पर मंत्रियों ने क्या काम किया है. उनके विभाग की क्या उपलब्धियां रही हैं. खंडेलवाल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कार्यकर्ताओं से, नागरिकों से तीन चार विषय पर अपेक्षा की है. पेट्रोल-डीजल हम कम से कम खर्च करें, सार्वजनिक वाहनों का उपयोग करें. वर्क फ्रॉम होम, वर्चुअल बैठक करें. हमारी किसी विषय को लेकर कोर टीम की आपातकालीन बैठक होने वाली थी, हम इस बैठक को वर्चुअली करेंगे. हम कोशिश कर रहे हैं कि अगर कोई बैठक वर्चुअली हो सकती है तो उसे उसी प्रकार करेंगे.

इंदौर सेंट्रल जेल में गैंगवार जैसे हालात
'अनवर डकैत' और भू-माफिया हेमंत यादव भिड़े, मुलाकात खिड़की बनी विवाद की वजह

■ इंदौर । संभाग पोस्ट

इंदौर की इंदौर सेंट्रल जेल शनिवार शाम अचानक तनाव का केंद्र बन गई, जब जेल के भीतर बंद हाईप्रोफाइल बंदियों के बीच विवाद इतना बढ़ गया कि मामला धक्का-मुक्की और मारपीट तक पहुंच गया। घटना के बाद जेल प्रशासन अलर्ट मोड पर आ गया है और सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है। जानकारी के मुताबिक जेल नंबर-6 की बैरक में बंद कुख्यात भू-माफिया हेमंत यादव, पूर्व पार्षद अनवर कादरी उर्फ 'अनवर डकैत' और कृष्णपाल सिंह उर्फ 'डॉन' के बीच विवाद मुलाकात के दौरान शुरू हुआ। बताया जा रहा है कि नंदानगर निवासी कृष्णपाल सिंह उर्फ डॉन के जन्मदिन पर उसके साथी प्रदीप यादव, गोलू तिवारी और अन्य लोग जेल में मुलाकात करने पहुंचे थे। इसी दौरान खिड़की पर फोन से बातचीत को लेकर कहासुनी शुरू हुई। सूत्रों के अनुसार, हेमंत यादव और अनवर डकैत के बीच पहले बातचीत खत्म करने को लेकर बहस हुई, जो कुछ ही मिनटों में तीखी झड़प में बदल गई। आरोप है कि अनवर डकैत ने हेमंत यादव को धक्का दे दिया, जिसके बाद कृष्णपाल सिंह उर्फ डॉन भी बीच में कूद पड़ा और दोनों पक्षों के

बीच जमकर धक्का-मुक्की हुई। हालात बिगड़ते देख जेल प्रहरियों ने तत्काल हस्तक्षेप कर तीनों को अलग किया और मुलाकात बंद करवा दी।

घटना के बाद जेल प्रशासन ने अनवर डकैत की सुरक्षा बढ़ा दी है और अतिरिक्त प्रहरी तैनात किए गए हैं। हालांकि पूरे मामले में जेल प्रशासन ने आधिकारिक बयान देने से फिलहाल परहेज किया है, लेकिन अंदरखाने इस घटना को जेल के भीतर बढ़ते प्रभाव और गुटबाजी से जोड़कर देखा जा रहा है।

मुलाकात व्यवस्था पर भी उठे सवाल

सूत्रों का दावा है कि कृष्णपाल सिंह उर्फ डॉन का जेल में खासा प्रभाव है और वह अक्सर मुलाकात खिड़की पर अपने समर्थकों से लंबे समय तक बातचीत करता है। जबकि जेल नियमों के अनुसार सप्ताह में सिर्फ दो दिन ही मुलाकात की अनुमति होती है। ऐसे में लगातार मुलाकात होने के आरोपों ने जेल प्रशासन की कार्यप्रणाली पर भी सवाल खड़े कर दिए हैं।

डॉक्टर पर हमले की साजिश में बंद है हेमंत यादव

हेमंत यादव का नाम विजयनगर इलाके में एक डॉक्टर पर हमले की साजिश रचने के मामले में सामने आया था। दिसंबर 2025 में डॉ. शिवकुमार यादव ने शिकायत दर्ज कराई थी कि बदमाशों ने उनकी कार रोककर हमला किया और वाहन में तोड़फोड़ की। पुलिस जांच में दावा किया गया था कि इस हमले की पूरी साजिश जेल के भीतर से रची गई थी। हेमंत यादव पर दो दर्जन से ज्यादा आपराधिक मामले दर्ज बताए जाते हैं।

'लव जिहाद' फंडिंग केस में जेल में है अनवर कादरी

वहीं पूर्व पार्षद अनवर कादरी उर्फ 'अनवर डकैत' कथित 'लव जिहाद' फंडिंग और अन्य गंभीर मामलों में जेल में बंद है। जांच में आरोप लगा था कि युवतियों को फंसाने और शादी के लिए आर्थिक मदद दी जाती थी। मामला सामने आने के बाद उसकी पार्षद सदस्यता समाप्त कर दी गई थी। अनवर का नाम पहले भी कई आपराधिक मामलों में सामने आ चुका है और 90 के दशक के एक डकैती केस के बाद वह 'अनवर डकैत' के नाम से चर्चित हुआ था।

बिलावली तालाब का पानी कम, ऑक्सीजन कम मिलने से मरने लगी मछलियां

■ इंदौर । संभाग पोस्ट

इंदौर में तेज़ गर्मी अब असर दिखाने लगी है। तालाबों का पानी तेजी से सूख रहा है और उससे जुड़े इलाकों के बोरिंगों में भी पानी आना बंद हो गया है। इंदौर के सबसे बड़े बिलावली तालाब में भी अब पानी कम बचा है। इस कारण तालाब की मछलियां मरने लगी हैं। तल में मटमैला पानी होने के कारण मछलियों को ऑक्सीजन के लिए ऊपर आना पड़ रहा है और फिर उनकी मौत हो रही है। उधर तालाब के खाली हिस्से का नगर निगम ने गहरीकरण शुरू कर दिया है। वहाँ जेसीबी से खुदाई भी की जा रही है, ताकि बारिश के दौरान तालाब में पानी अच्छी तरह भर सके। तालाब की चैनलों को भी साफ किया गया है। बायपास और रालामंडल वाले हिस्से से बिलावली तालाब में पानी आता है, लेकिन बीते कुछ वर्षों में बायपास बनने और उसे छह लेन करने की कवायद में प्राकृतिक बहाव प्रभावित हुआ है। इस कारण हर साल तालाब में पानी गर्मी के दिनों में कम हो जाता है और मछलियाँ दम तोड़ने लगती हैं। शहर में पांच तालाब है, लेकिन गहराई सिर्फ एक ही तालाब की बढ़ाई जा रही है।

दुल्हन की मौत के बाद पूरे शहर में हल्दी की सैंपलिंग, मैंगो शेक वालों पर भी गिरी गाज

■ इंदौर। संभाग पोस्ट

इंदौर में मिलावटी हल्दी के कारण एक दुल्हन की दुखद मृत्यु का मामला सामने आने के बाद जिला प्रशासन पूरी तरह सतर्क हो गया है। इस गंभीर घटना को देखते हुए कलेक्टर शिवम वर्मा के सीधे निर्देशन में खाद्य सुरक्षा प्रशासन, इंदौर द्वारा विशेष अभियान चलाया जा रहा है। ग्रीष्म ऋतु के मद्देनजर पेय पदार्थों और खुले बाजारों में बिकने वाले विभिन्न खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता जांचने के लिए लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी अभियान के अंतर्गत खाद्य सुरक्षा अधिकारियों के दल ने शहर के कई प्रमुख प्रतिष्ठानों और साप्ताहिक हाट बाजारों में औचक निरीक्षण और जांच की कार्रवाई को अंजाम दिया।

हाट बाजारों में हल्दी की सघन जांच

कलेक्टर शिवम वर्मा द्वारा खुले बाजारों और हाट बाजारों में बेची जा रही हल्दी की शुद्धता की बारीकी से जांच करने के सख्त निर्देश दिए गए हैं। इन निर्देशों के पालन में अधिकारियों की टीम ने सनावदिया हाट बाजार पहुंचकर वहां बिक रही हल्दी की प्रारंभिक जांच की। इसके साथ ही मालवा मिल क्षेत्र तथा उसके आसपास के हाट बाजार इलाकों में भी हल्दी की शुद्धता जांची गई। इससे पहले प्रशासन की टीम मांगलिया हाट और मुसाखेड़ी क्षेत्र में भी इसी तरह की कार्रवाई कर चुकी है। हालांकि, अब तक की गई प्रारंभिक जांच में किसी भी तरह की मिलावट की पुष्टि नहीं हुई है, लेकिन पूरी तरह आश्वस्त होने के लिए हल्दी के नमूने एकत्र कर उन्हें विस्तृत जांच के लिए राज्य खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला, भोपाल भेजा गया है। कलेक्टर ने स्पष्ट किया है कि आम जनता को सुरक्षित और उच्च गुणवत्ता वाले खाद्य पदार्थ उपलब्ध कराना प्रशासन की सबसे पहली प्राथमिकता है। खुले बाजारों और मौसमी खाद्य सामग्रियों की शुद्धता सुनिश्चित करने के लिए यह सैंपलिंग अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा।

गुजरात रस पर प्रशासनिक गाज

हल्दी के साथ-साथ प्रशासन ने अन्य खाद्य और पेय पदार्थों की जांच में भी तेजी ला दी है। इसी कड़ी में खाद्य सुरक्षा विभाग के दल ने स्नेहलतागंज में स्थित गुजरात रस नामक प्रतिष्ठान पर छापा मारा। निरीक्षण के समय वहां निर्माता राजेंद्र पटेल मौजूद मिले। जांच के दौरान वहां मैंगो शेक का निर्माण और विक्रय होते हुए पाया गया। अधिकारियों ने मौके से दो मैंगो शेक, शक्कर और खाद्य रंग के कुल चार नमूने जांच के लिए जब्त किए। इसके अतिरिक्त, निरीक्षण में यह भी सामने आया कि प्रतिष्ठान के खाद्य पंजीयन में दुकान का पता व्यवस्थित और स्पष्ट रूप से दर्ज नहीं था। इस अनियमितता को गंभीरता से लेते हुए प्रशासन ने आगामी आदेश तक वहां निर्माण कार्य पर रोक लगा दी है।

योगी आमरस भंडार का कारोबार बंद

प्रशासनिक टीम ने इसके बाद

चिमन बाग चौराहा स्थित योगी आमरस भंडार का निरीक्षण किया। मौके पर प्रतिष्ठान के प्रोपराइटर चंद्रहास पटेल व्यवसाय का संचालन करते हुए पाए गए। जांच के दौरान दुकान पर मैंगो शेक का विक्रय किया जा रहा था। जब अधिकारियों ने दस्तावेजों की मांग की, तो मौके पर प्रतिष्ठान का कोई भी वैध खाद्य पंजीयन उपलब्ध नहीं मिला। टीम ने तुरंत कार्रवाई करते हुए मैंगो शेक और उसमें इस्तेमाल किए जाने वाले खाद्य रंग के कुल दो नमूने जांच के लिए एकत्र किए। संबंधित खाद्य श्रेणी के लिए वैध फूड लाइसेंस न होने के कारण प्रशासन ने वैध पंजीयन प्राप्त होने तक उक्त खाद्य कारोबार को तत्काल प्रभाव से बंद करवा दिया है।

इंदौर पुलिस की छापामार कार्रवाई: 'सीक्रेट' ऑपरेशन को दिया अंजाम

लेडी ड्रग्स माफिया और पुलिसकर्मी सहित कई लोगों को पकड़ा

■ इंदौर। संभाग पोस्ट

इंदौर में सोमवार तड़के कमिश्नरेट पुलिस ने एक गोपनीय और बड़े ऑपरेशन को अंजाम देते हुए शहर में सक्रिय आपराधिक नेटवर्क पर बड़ी कार्रवाई की। इस हाई-प्रोफाइल ऑपरेशन की खास बात यह रही कि इसमें अवैध कारोबार से जुड़ी एक महिला माफिया के साथ एक प्रधान आरक्षक भी पुलिस के शिकंजे में आ गया। ऑपरेशन की निगरानी खुद पुलिस कमिश्नर संतोष कुमार सिंह कर रहे थे। जानकारी के मुताबिक ऑपरेशन में क्राइम ब्रांच के साथ छह थानों की पुलिस टीमों को लगाया गया था। आरोपितों से ड्रग्स नेटवर्क और उससे जुड़े कारोबार को लेकर पूछताछ की जा रही है। सूत्रों के अनुसार सबसे पहले क्राइम ब्रांच ने द्वारकापुरी थाना क्षेत्र में रहने वाली अलका दीक्षित को हिरासत में लिया। उसे गुप्त स्थान पर ले जाकर पूछताछ की गई।

प्रधान आरक्षक के घर पर छापा मारा

इसके बाद दूसरी टीम को अलर्ट किया गया और अलका के बेटे जयदीप को अहिरखेड़ी इलाके से हिरासत में लिया गया। जयदीप से पूछताछ जारी थी, तभी एमजी रोड थाना प्रभारी विजय सिंह सिसोदिया के नेतृत्व में पुलिस टीम ने प्रधान आरक्षक विनोद के घर पर छापा मारा।

बताया जा रहा है कि विनोद भी इस कारोबार से जुड़ा है। वह लंबे समय तक क्राइम ब्रांच में पदस्थ रहा है और वर्तमान में इंटेलिजेंस शाखा में तैनात है। कार्रवाई के दौरान उसके परिजनों ने विरोध भी किया। पुलिस ने विनोद के बेटे का लैपटॉप और मोबाइल भी जब्त कर लिया है।

अलग-अलग स्थानों पर पूछताछ

पूरे ऑपरेशन को बेहद गोपनीय रखा गया। सभी आरोपितों से अलग-अलग स्थानों पर पूछताछ की जा रही है। पुलिस कमिश्नर संतोष कुमार सिंह और एडिशनल पुलिस कमिश्नर राजेश कुमार सिंह लगातार कार्रवाई की मॉनिटरिंग कर रहे थे। वहीं पूछताछ की जिम्मेदारी डीसीपी क्राइम राजेश त्रिपाठी को सौंपी गई थी। टीम को स्पष्ट निर्देश दिए गए थे कि ऑपरेशन से जुड़ी जानकारी किसी से साझा न की जाए। सूत्रों के मुताबिक देर रात एक टीम को पीथमपुर भी भेजा गया, जहां ड्रग्स कारोबार से जुड़े कुछ और लोगों को हिरासत में लिया गया। उनसे खजराना थाने में पूछताछ की व्यवस्था की गई है।

अवैध शराब से ड्रग्स नेटवर्क तक पहुंची अलका

अहिरखेड़ी निवासी अलका दीक्षित लंबे समय से अवैध शराब कारोबार से जुड़ी बताई जा रही है। स्थानीय स्तर पर उसका प्रभाव इतना था कि कई थाना प्रभारी बदलने के बावजूद उसका नेटवर्क सक्रिय बना रहा। पुलिस सूत्रों का कहना है कि शराब कारोबार की आड़ में उसने अनैतिक गतिविधियों और ड्रग्स सप्लाई के धंधे में भी पैर पसार लिए थे। उसका बेटा जयदीप भी इस कारोबार में उसकी मदद करता था।

गौरतलब है कि कुछ समय पहले जयदीप को द्वारकापुरी पुलिस ने जानलेवा हमले के मामले में गिरफ्तार भी किया था। फिलहाल पुलिस पूरे नेटवर्क की कड़ियां जोड़ने में जुटी है और आने वाले दिनों में इस मामले में और बड़े खुलासे होने की संभावना जताई जा रही है।

हॉस्टल में उत्पात करने वाले छात्रों पर सख्ती

25 हजार जुर्माना और रिजल्ट रोकने की तैयारी

■ इंदौर। संभाग पोस्ट

देवी अहिल्या विश्वविद्यालय से संबद्ध आईईटी इंजीनियरिंग कॉलेज के हॉस्टल में फाइनल ईयर छात्रों द्वारा किए गए हंगामे और तोड़फोड़ मामले में विश्वविद्यालय प्रशासन अब सख्त कार्रवाई की तैयारी में है। सोशल मीडिया पर वायरल हुए वीडियो के बाद रविवार शाम अनुशासन समिति की इमरजेंसी बैठक आयोजित की गई, जिसमें दोषी छात्रों के खिलाफ कई कड़े कदमों की अनुशंसा की गई है।

जानकारी के अनुसार रविवार अलसुबह रामानुज छात्रावास-बी में कुछ छात्रों ने कथित रूप से अर्धनग्न होकर फिल्मी गानों पर डांस किया और हॉस्टल परिसर में जमकर उत्पात मचाया। वायरल वीडियो में छात्र 'दारू बदनाम कर दी' गाने पर नाचते दिखाई दे रहे हैं। इस दौरान कुछ छात्र एक-दूसरे पर पानी फेंकते और शोर-शराबा करते नजर आए। इसके बाद हॉस्टल में रखी कुर्सियां, टेबल, पानी की टंकियां और खिड़कियों के कांच तोड़ दिए गए। कई फर्नीचर को इधर-उधर फेंक दिया गया।

वीडियो सामने आने के बाद मामला तेजी से चर्चा में आ गया, जिसके बाद कॉलेज और विश्वविद्यालय प्रशासन हरकत में आया। डॉ. प्रतोष बंसल ने बताया कि हॉस्टल समिति की बैठक पहले ही हो चुकी थी, लेकिन वीडियो वायरल होने के बाद रविवार शाम अनुशासन समिति की आपात बैठक बुलाई गई। इस बैठक में समिति के 8 सदस्य शामिल हुए। बैठक में अनुशंसा की गई कि हंगामे में शामिल छात्रों को हॉस्टल से निष्कासित किया जाए। साथ ही उनका अंतिम परीक्षा परिणाम रोका जाए और जांच पूरी होने तक उन्हें परीक्षा

प्रक्रिया से भी दूर रखा जा सकता है। इसके अलावा प्रत्येक दोषी छात्र पर 25 हजार रुपए तक का आर्थिक दंड लगाने की सिफारिश की गई है। बताया जा रहा है कि इन सिफारिशों को लागू करने के लिए अब कुलगुरु प्रोफेसर राकेश सिंघई की अंतिम मंजूरी ली जाएगी। प्रशासन को पूरे मामले की जानकारी दे दी गई है और सोमवार तक इस पर अंतिम निर्णय लिया जा सकता है।

माता-पिता को भी बुलाएगा प्रशासन

कॉलेज प्रशासन अब वायरल फोटो और वीडियो के आधार पर छात्रों की पहचान करने में जुटा है। दोषी पाए जाने वाले छात्रों के माता-पिता को भी बुलाया जाएगा और उन्हें पूरे घटनाक्रम की जानकारी दी जाएगी। आईईटी प्रबंधन को आशंका है कि छात्र नशे की हालत में थे। हालांकि संस्थान में नशे को लेकर 'जीरो टॉलरेंस' नीति लागू होने का दावा किया गया है। घटना के बाद हॉस्टल की सुरक्षा व्यवस्था और निगरानी प्रणाली पर भी सवाल उठने लगे हैं। जानकारी के मुताबिक हॉस्टल के चार वार्डन और एक सीनियर वार्डन को छात्रों की पहचान कर आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं। जिस छात्रावास में यह घटना हुई, वहां करीब 150 छात्र रहते हैं।

जलसंकट पर संग्राम

इंदौर में पानी के लिए फोड़े मटके

विधायक ने दी महापौर के घर धरने की चेतावनी

■ **इंदौर। संभाग पोस्ट**

इंदौर में अब जलसंकट लगातार गहराता जा रहा है। शहर की पानी की टंकियां पूरी क्षमता से नहीं भर पा रही हैं, जिसके कारण कई इलाकों में पानी की भारी किल्लत हो गई है। स्थिति यह है कि पांच से छह मीटर क्षमता वाली टंकियां केवल दो से तीन मीटर तक ही भर रही हैं। इसका सीधा असर घरों तक पहुंचने वाले पानी पर पड़ रहा है और नलों में बेहद कम पानी आ रहा है। पानी की समस्या से परेशान होकर वीणा नगर और आसपास के क्षेत्रों के लोगों का गुस्सा सोमवार सुबह सड़कों पर फूट पड़ा।

खाली मटके लेकर सड़क पर उतरे रहवासी

पानी नहीं मिलने से नाराज बड़ी संख्या में महिलाएं और स्थानीय लोग खाली मटके और बर्तन लेकर सड़क पर उतर आए। लोगों ने पहले खाली मटके फोड़े और फिर सड़क पर बैठकर जोरदार नारेबाजी शुरू कर दी। प्रदर्शनकारियों का कहना था कि इलाके में न तो नियमित रूप से नलों में पानी आ रहा है और न ही टैंकरों के जरिए पर्याप्त जल वितरण किया जा रहा है। कांग्रेस नेता अमित पटेल और पार्षद राजू भदौरिया के साथ बड़ी संख्या में महिलाएं बस्ती से निकलकर सड़क पर बैठ गईं और वाहनों को रोकना शुरू कर दिया। देखते ही देखते सड़क पर वाहनों की लंबी कतार लग गई।

'महापौर पानी दो' के लगे नारे

चक्काजाम की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और लोगों को समझाने की कोशिश की। इस दौरान प्रदर्शनकारी 'महापौर पानी दो, पानी दो' के नारे लगाते रहे। रहवासियों ने आरोप लगाया कि वे पहले भी कई बार अधिकारियों से पानी की समस्या की शिकायत कर चुके हैं, लेकिन उनकी कोई सुनवाई नहीं हुई। लोगों का कहना था कि मजबूरी में उन्हें सड़क पर उतरकर प्रदर्शन करना पड़ा।

जलसंकट पर विधायक भी नाराज

इसी बीच पांच नंबर विधानसभा क्षेत्र के वार्ड-41 में पहुंचे विधायक महेंद्र हार्डिया भी जलसंकट को लेकर नाराज नजर आए। कार्यक्रम में महापौर पुष्यमित्र भार्गव भी मौजूद थे, लेकिन हालात देखकर विधायक बीच कार्यक्रम से ही लौट गए। महेंद्र हार्डिया ने कहा कि पहले कभी शहर में जलसंकट के ऐसे हालात नहीं बने। टंकियां खाली रहती हैं और टैंकर भी समय पर नहीं पहुंचते। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि यदि जल्द समस्या का समाधान नहीं हुआ तो वे रोज महापौर निवास जाकर बैठेंगे।

संभाग पोस्ट सामाजिक दृढ़ता संकल्प अभियान

अब आपकी आवाज होगी बुलंद लोकतंत्र के चौथे स्तंभ के संग

आज के समाज में हम देख रहे हैं की शहरी परिवेश की बात करें या ग्रामीण परिवेश की आज के परिवेश में व्यक्ति अकेला पड़ता जा रहा है। आधुनिक तकनीकियों का इस्तेमाल करते-करते अपने आप को अकेला महसूस करता है , जब उसके ऊपर ऐसी कोई विपत्ति आती है की जब उसके परिवारजन या मित्र बंधु उसका साथ दे। तब वह पता है कि वह अकेला खड़ा है। यह आज के समाज का सत्य है। यह भारत के ७० प्रतिशत लोगों की सच्चाई है वह किसी भी प्रकार की समस्या में हो चाहे पारिवारिक या मानसिक, सामाजिक, प्रशासनिक या चिकित्सकीय हो ऐसी किसी भी समस्या में वह पाता है कि वह अकेला है। और यदि ऐसे मे किसी मोड़ पर कुछ व्यवधान उत्पन्न हो तब वह नीरस हो जाता है, और किसी न किसी प्रकार की गलती कर बैठता है । समाज की ऐसी सबसे बड़ी समस्या को लेकर हमने सामाजिक दृढ़ता संकल्प का अभियान चलाया है जिसके तहत हम उन सभी ऐसे लोगों के साथ खड़े हुए हैं जो हमसे जुड़ेंगे तथा वे लोग जो हमसे किसी न किसी प्रकार से जुड़े हुए हैं , हमारा प्रयास यह होगा कि ऐसी किसी भी समस्या में हम उनके साथ खड़े हो जिस जगह पर वह सही है और उन्हें व्यवधान,समस्या का सामना करना पड़ रहा है, ऐसी स्थिति में संभाग पोस्ट परिवार उनके साथ खड़ा है।

■समाज में एक कहावत प्रचलित है सत्य परेशान हो सकता है। पराजित नहीं हो सकता,
■ईश्वर की इसी प्रेरणा को हमारे मीडिया चैनल हमारे अखबार ने आत्मसात किया है और हम उन सभी समाज जनों के साथ खड़े हैं जिनके साथ सत्य है।
■ईश्वर सत्य का साथ देने वाले उनके अनुयायियों की सहायता करने स्वयं नहीं आते किंतु किसी न किसी माध्यम से सत्य का साथ दे रहे व्यक्ति की सहायता जरूर करते हैं।
■हम अपने आप को धन्य समझते हैं कि हमने यह मुहिम चलाई है जिसके तहत यदि आपके साथ सत्य है तो हम आपके साथ सदा खड़े हुए हैं
■हमारे चैनल और हमारे अखबार से जुड़े हुए सभी सदस्य गण जिनकी किसी भी प्रकार की परेशानी अब उनकी नहीं वह हमारी है।
■जब समाज दृढ़ होगा, सत्य की विजय होगी जब एकता और समान व्यवहार और ज्ञान होगा तब हमारा समाज एक नए भारत का दृढ़ निश्चय भारत का निर्माण कर पाएगा
■यदि आपका काम, स्वयं आप और आपका विचार, सत्य के साथ है तो वह आपका नहीं अपितु वह हमारा विचार होगा , क्योंकि आप भारत के चौथे स्तंभ मीडिया के साथ है
■अब आम आदमी की आवाज आम आदमी की नहीं अपितु उसके साथ हमारी भी आवाज होगी इसलिए आपसे निवेदन है कि हमारे साथ शीघ्र से शीघ्र जुड़े और अपनी आवाज को एक नया आयाम दें और अपने समाज को अपने परिवार को और अपने देश को सशक्त बनाएं
■हमारे साथ जुड़ने के लिए आपको कोई नया प्रयास नहीं करना केवल सामाजिक दृढ़ता संकल्प संभाग पोस्ट अभियान का एक फॉर्म भरना है

विचार न कीजिए तुरंत संपर्क करें: 9755648321

क्योंकि दृढ़ होगा समाज तो सशक्त होगा भारत और खुशहाल होगा हमारा परिवार
सत्यम,शिवम्,सुंदरम। सत्यमेव जयते
भारत माता की जय वंदे मातरम

तपती सड़कों पर लोगों को बांट रहे फल-छाछ और ठंडाई, बीट द हीट अभियान दे रहा गर्मी से राहत

■ इंदौर । संभाग पोस्ट

इंदौर में पिछले दो दिन से दिन के तापमान में आंशिक गिरावट दर्ज की जा रही है, लेकिन तेज धूप के तीखे तेवरों के कारण आम जनता को भीषण गर्मी से कोई राहत नहीं मिल पा रही है। दोपहर 12 बजे से लेकर शाम 4 बजे तक भीषण तपन का जनजीवन पर बहुत खास असर देखा जा रहा है। इस तपती दोपहर के दौरान रविवार को भी शहर की प्रमुख सड़कों पर लोगों की आवाजाही भी काफी कम रही और चारों तरफ सन्नाटा पसरा नजर आया।

पारा गिरने से थोड़ी राहत मिली

इससे पहले शनिवार को शहर का अधिकतम तापमान 41.4 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया, जबकि रात का न्यूनतम तापमान 26.0 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ। राहत की बात यह है कि दिन का तापमान पूरे 8 दिनों के लंबे अंतराल के बाद आखिरकार सामान्य स्तर पर पहुंचा है, जबकि रात का तापमान अब भी सामान्य से 1 डिग्री अधिक बना हुआ है जिससे रात में भी उमस महसूस हो रही है। मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार अगले दो से तीन दिनों तक तापमान 41 डिग्री सेल्सियस के आसपास ही बने रहने की संभावना है। मौसम विभाग का कहना है कि फिलहाल शहरवासियों को इस चुभती गर्मी से राहत मिलने की उम्मीद बेहद कम है।

दाऊदी बोहरा समुदाय का बीट द हीट अभियान

इस भीषण गर्मी के बीच शनिवार को दाऊदी बोहरा समुदाय द्वारा सामाजिक सरोकार निभाते हुए शहरभर में बीट द हीट अभियान चलाया गया। इस राहत कार्य के दौरान भीषण धूप में परेशान हो रहे करीब 18 हजार लोगों को ठंडी छाछ का वितरण किया गया। इस पूरे अभियान में 300 से ज्यादा उत्साही वॉलंटियर्स शामिल रहे। शहर के 11 प्रमुख और व्यस्त स्थानों पर यह सेवा दी गई, जिनमें राजवाड़ा चौक, पलासिया, टॉवर चौराहा और राऊ बस स्टैंड जैसे मुख्य मार्ग शामिल रहे।

ठंडाई, फल वितरण और ऐतिहासिक रिकॉर्ड

इसी कड़ी में वर्ल्ड हिंदू फेडरेशन मध्य प्रदेश द्वारा भी राहगीरों के लिए ठंडाई, फल और अन्य ठंडे पेय पदार्थों का वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसका शहर के हजारों लोगों ने लाभ लिया। अगर इंदौर में मई महीने के इतिहास पर नजर डालें तो यहां तापमान कई बार 46

डिग्री सेल्सियस से ऊपर जा चुका है। पूर्व के आंकड़ों के मुताबिक 31 मई 1994 को यहां इतिहास का सबसे अधिक 46.6 डिग्री सेल्सियस का रिकॉर्ड तापमान दर्ज हुआ था।

इंदौर में मई के महीने में केवल भीषण गर्मी ही नहीं पड़ती, बल्कि मौसम विभाग के अनुसार मौसम बदलने के साथ अक्सर बादल छाने और बौछारें पड़ने का भी रिकॉर्ड रहा है। पिछले साल यानी 2023 के मई महीने में शहर में करीब 3 इंच बारिश दर्ज की गई थी। इसके अलावा मौसम के पुराने आंकड़ों को देखें तो साल 2014 से 2023 के बीच के साल में कुल 9 बार मई के महीने में अच्छी बारिश दर्ज हुई है जिससे लोगों को तपन से अस्थाई राहत मिली थी।

इंदौर में रातों-रात सील हुईं कई और होटलें, विधायक की शिकायत के बाद जागा निगम

■ इंदौर । संभाग पोस्ट

इंदौर शहर के महालक्ष्मी नगर क्षेत्र में नगर निगम ने अवैध रूप से संचालित व्यावसायिक गतिविधियों के खिलाफ अपनी कार्रवाई को तेज कर दिया है। निगम की टीम ने हाल ही में आवासीय भूखंडों पर नियमों के विरुद्ध बनाई गईं तीन और होटलों को पूरी तरह से सील कर दिया है। इस नए एक्शन के बाद अब तक इस विशेष इलाके में सील की जा चुकी होटलों की कुल संख्या बढ़कर 19 हो गई है।

प्रशासनिक सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, नगर निगम द्वारा पूर्व में यहां कुल 25 होटलों को नियमों के उल्लंघन को लेकर नोटिस जारी किए गए थे, जिसके बाद यह कड़ी कार्रवाई अमल में लाई जा रही है। हालांकि, स्थानीय स्तर पर यह चर्चा भी तेज हो गई है कि निगम प्रशासन आवासीय भूखंडों पर धड़ल्ले से चल रहे अवैध हॉस्टलों के खिलाफ वैसी तत्परता नहीं दिखा रहा है, जैसी होटलों के खिलाफ देखी जा रही है।

जोन नंबर आठ के विभिन्न वार्डों में चला निगम का डंडा

नगर निगम के जोन नंबर 8 के अंतर्गत आने वाले वार्ड क्रमांक 37 के महालक्ष्मी नगर और

चिकित्सक नगर में निगम के अमले ने अचानक पहुंचकर तीन होटलों पर तालाबंदी की कार्रवाई को अंजाम दिया। ये होटलें पूरी तरह से आवासीय अनुमति वाले भवनों में अवैध रूप से व्यावसायिक तौर पर संचालित की जा रही थीं। निगम की टीम ने इस अभियान के दौरान महालक्ष्मी नगर स्थित होटल न्यू आरके, चिकित्सक नगर की होटल एकोदिया और होटल गोल्डन स्टाफ को सील करने की वैधानिक कार्रवाई पूरी की है। गौरतलब है कि इससे ठीक पहले भी निगम ने इसी क्षेत्र की स्कीम नंबर 94 सेक्टर ईबी में एक साथ 16 होटलों को सील करने का बड़ा कदम उठाया था। इस पूरी मुहिम को मिलाकर अब तक कुल 19 होटलों को बंद कराया जा चुका है। क्षेत्र की पार्षद संगीता महेश जोशी ने इस कार्रवाई का समर्थन करते हुए कहा कि इससे स्थानीय रहवासियों को बहुत बड़ी राहत मिली है, लेकिन मुख्य और प्रभावी कार्रवाई होना अभी भी बाकी है।

नोटिस के बाद भी बंद नहीं हुए थे संस्थान, अनैतिक गतिविधियों की शिकायत

स्थानीय पार्षद ने मीडिया को जानकारी देते हुए बताया कि नगर निगम ने इस पूरे क्षेत्र में चिन्हित की गईं 25 होटलों को पहले ही कानूनी नोटिस थमा दिए थे। इनमें से 19 होटलों को अब तक सील कर दिया गया है, जबकि 6 अन्य होटलों पर अभी भी कार्रवाई होना शेष है। उन्होंने इस बात पर विशेष जोर दिया कि रहवासी इलाकों के बिल्कुल बीचों-बीच चल रही होटलों पर कार्रवाई करना बेहद अनिवार्य है, क्योंकि इन स्थानों पर लगातार कई प्रकार के अनैतिक काम होने की शिकायतें मिल रही थीं, जिससे पूरे क्षेत्र का सामाजिक और पारिवारिक माहौल पूरी तरह दूषित हो रहा था। पार्षद ने एक और महत्वपूर्ण आंकड़ा साझा करते हुए बताया कि निगम प्रशासन ने इस इलाके में कुल 39 अवैध हॉस्टलों को भी नोटिस जारी किए थे। ये सभी हॉस्टल भी बिना अनुमति के पूरी तरह से आवासीय भूखंडों पर व्यापारिक तौर पर चलाए जा रहे हैं, लेकिन बेहद आश्चर्य की बात है कि इनमें से किसी भी हॉस्टल के खिलाफ निगम ने अभी तक कोई दंडात्मक कदम नहीं उठाया है।

शहर के अन्य क्षेत्रों में उदासीनता पर खड़े हुए सवाल

इस पूरी मुहिम के पीछे की राजनीतिक और प्रशासनिक पृष्ठभूमि की बात करें तो स्थानीय विधायक महेंद्र हार्डिया द्वारा विधानसभा के पटल पर इस गंभीर मुद्दे को पुरजोर तरीके से उठाया गया था। विधायक के इस हस्तक्षेप के बाद ही दबाव में आए नगर निगम ने इस विशेष क्षेत्र में तो आवासीय भूखंडों पर चल रही होटलों के खिलाफ ताबड़तोड़ कार्रवाई कर दी, परंतु शहर के अन्य किसी भी वॉर्ड या क्षेत्र में इस प्रकार की कोई कार्रवाई निगम की किसी भी टीम द्वारा अब तक शुरू नहीं की गई है। स्थानीय रहवासियों का कहना है कि जब आवासीय नियमों का उल्लंघन करके होटल के रूप में व्यावसायिक गतिविधियों का संचालन करना पूरी तरह से गैरकानूनी है, तो फिर इस प्रकार की दंडात्मक और सुधारात्मक कार्रवाई को सिर्फ एक क्षेत्र तक सीमित न रखकर पूरे इंदौर शहर में समान रूप से लागू किया जाना चाहिए।

'रोबोट चौराहे पर आग का तांडव!'

इवेंट कंपनी के गोडाउन में भड़की भीषण आग, इलाके में मची अफरा-तफरी

■ इंदौर । संभाग पोस्ट

इंदौर में एक बार फिर आग का बड़ा हादसा सामने आया है। रोबोट चौराहा स्थित कर्बला मैदान के पास एक इवेंट मैनेजमेंट कंपनी के गोडाउन में भीषण आग लग गई। बताया जा रहा है कि गोडाउन खजराना निवासी बेली पटेल का है, जहां इवेंट और डेकोरेशन का भारी मात्रा में सामान रखा हुआ था। प्रारंभिक जांच में शॉर्ट सर्किट से आग लगने की आशंका जताई जा रही है। आग की सूचना मिलते ही नगर निगम की फायर ब्रिगेड टीम मौके पर पहुंची और आग पर काबू पाने के प्रयास शुरू किए। वहीं खजराना थाना पुलिस टीम भी मौके पर पहुंचकर स्थिति संभालने में जुटी रही। आग के चलते इलाके में काफी देर तक अफरा-तफरी का माहौल बना रहा।

विजयनगर पुलिस की बहादुरी से टला बड़ा हादसा

A3 मॉल के स्टोर में लगी आग पर जोखिम उठाकर पाया काबू

■ इंदौर । संभाग पोस्ट

इंदौर के गुजराती कॉलेज के सामने स्थित A3 मॉल में आग लगने की घटना के दौरान विजयनगर पुलिस टीम ने तत्परता और साहस दिखाते हुए बड़ा हादसा टाल दिया। आरक्षक जितेंद्र सिंह यादव और एएसआई ईश्वर पटेल ने जान जोखिम में डालकर स्टोर के अंदर प्रवेश किया और बोरिंग के पाइप की मदद से आग बुझाने का प्रयास किया। मौके पर मौजूद पुलिस टीम की सक्रियता से आग पर समय रहते काबू पाया गया। घटना में एसीपी पराग सैनी के नेतृत्व में विजयनगर पुलिस टीम की भूमिका सराहनीय रही। एसीपी विजय नगर ने भी आरक्षक जितेंद्र सिंह यादव और एएसआई ईश्वर पटेल की बहादुरी एवं त्वरित कार्रवाई की प्रशंसा की। समय पर कार्रवाई से संभावित बड़े नुकसान को टाल दिया गया।

टैंकर ने मां और दो बच्चों को कुचला तीनों की मौत, ड्राइवर को आ गई थी नींद

■ इंदौर । संभाग पोस्ट

इंदौर के चंदन नगर थाना क्षेत्र के अंतर्गत धार रोड पर सोमवार सुबह एक अत्यंत दुखद सड़क हादसा सामने आया है। इस भीषण दुर्घटना में एक ही परिवार की महिला और उसके दो मासूम बच्चों की असमय और दर्दनाक मौत हो गई। बताया जा रहा है कि परिवार के कुल छह लोग, जिनमें तीन वयस्क और तीन बच्चे शामिल थे, एक ही मोटरसाइकिल पर सवार होकर एक पारिवारिक पगड़ी कार्यक्रम में हिस्सा लेने जा रहे थे। इसी दौरान पीछे से आ रहे एक बेहद तेज रफ्तार टैंकर ने उनकी बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भयानक थी कि दो मासूम बच्चों ने मौके पर ही दम तोड़ दिया, जबकि गंभीर रूप से घायल मां ने अस्पताल ले जाते समय रास्ते में अपनी आखिरी सांसें लीं। इस अचानक हुई घटना के बाद पूरे इलाके में अफरा-तफरी और चीख-पुकार मच गई। वहां से गुजर रहे राहगीरों ने बिना वक्त गंवाए तुरंत पुलिस को इस हादसे की जानकारी दी। सूचना मिलते ही चंदन नगर पुलिस थाना प्रभारी के नेतृत्व में पुलिस बल तुरंत मौके पर पहुंचा और स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को तुरंत नजदीकी अस्पताल भिजवाया। पुलिस ने दोनों मृत बच्चों के शवों को जिला अस्पताल भेजा, जबकि मृत महिला के शव को

पोस्टमार्टम की प्रक्रिया के लिए एमवाय अस्पताल पहुंचाया गया।

देवास जिले के बेसन कांटा फोड़ जा रहा था परिवार

मृतकों के करीबी परिजन लखन देवड़ा ने हादसे की विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि उनका बड़ा बेटा अशोक देवड़ा उम्र तीस वर्ष, बहू अनिता देवड़ा उम्र अट्ठाइस वर्ष, उनके बच्चे वैष्णवी उर्फ वेशू उम्र चार वर्ष, रोहन उम्र दो वर्ष, संतोषी उम्र एक वर्ष और उनका भांजा राजेश सभी एक साथ बाइक पर सवार हुए थे। यह पूरा परिवार औरंगपुरी से देवास जिले के अंतर्गत आने वाले ग्राम बबलू बेसन कांटा फोड़ जाने के लिए निकला था। यह परिवार मूल रूप से देवास जिले के उदयनगर क्षेत्र का निवासी है। कुछ समय पूर्व अनिता के भाई का निधन हो गया था, जिसके बाद आयोजित पगड़ी रस्म और शोक कार्यक्रम में शामिल होने के लिए सभी लोग सुबह-सुबह घर से निकले थे। अशोक देवड़ा मुरादपुर औरंगपुरी स्थित ए-वन प्लस डोर प्लाई डोर कंपनी में मजदूरी का काम करता है और अपने पूरे परिवार के साथ वहीं निवास करता है। सफर के दौरान जैसे ही वे धार रोड स्थित हाईलिंक कॉलोनी के सामने पहुंचे, तभी पीछे से आए अनियंत्रित टैंकर ने उनकी मोटरसाइकिल को रौंद दिया। इस भीषण टक्कर के कारण दो साल के रोहन और महज एक साल की संतोषी की घटनास्थल पर ही मौत हो गई, वहीं अनिता की मौत अस्पताल पहुंचने से पहले एम्बुलेंस में हो गई। चंदन नगर थाना प्रभारी तिलक करोले के मुताबिक इस हादसे में बाइक चालक अशोक देवड़ा, राजेश भूसारिया और चार वर्षीय बालिका वैष्णवी उर्फ वेशू गंभीर रूप से घायल हुए हैं, जिनका डॉक्टरों की देखरेख में अस्पताल में इलाज किया जा रहा है।

एमआईजी इलाके में मामूली विवाद के बाद युवक पर चाकू से हमला

CCTV में कैद हुई वारदात

■ इंदौर । संभाग पोस्ट

एमआईजी थाना क्षेत्र के देव नगर इलाके में मामूली कहासुनी ने अचानक हिंसक रूप ले लिया। यहां एक युवक पर ताबड़तोड़ चाकू से हमला कर उसे गंभीर रूप से घायल कर दिया गया। पूरी घटना आसपास लगे सीसीटीवी कैमरे में रिकॉर्ड हो गई, जिसका वीडियो अब सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। जानकारी के अनुसार घायल युवक की पहचान अमित बौरासी के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि किसी छोटी बात को लेकर आरोपी और अमित के बीच विवाद हुआ था। देखते ही देखते विवाद इतना बढ़ गया कि आरोपी ने गुस्से में आकर चाकू निकाल लिया और अमित पर लगातार वार करना शुरू कर दिया। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक घटना इतनी अचानक हुई कि

आसपास मौजूद लोग कुछ समझ ही नहीं पाए। हमले के दौरान क्षेत्र में अफरा-तफरी मच गई और लोग जान बचाने के लिए इधर-उधर भागने लगे। आरोपी ने बीच सड़क पर ही युवक पर कई वार किए और फिर मौके से फरार हो गया। घटना के तुरंत बाद स्थानीय लोगों ने घायल अमित को गंभीर हालत में अस्पताल पहुंचाया, जहां उसका इलाज जारी है। डॉक्टरों के मुताबिक युवक को शरीर के कई हिस्सों में गहरी चोटें आई हैं और उसकी हालत पर लगातार निगरानी रखी जा रही है। पूरी वारदात पास में लगे सीसीटीवी कैमरे में रिकॉर्ड हो गई है। वायरल वीडियो में आरोपी युवक हाथ में चाकू लेकर अमित पर लगातार हमला करता दिखाई दे रहा है। वीडियो सामने आने के बाद इलाके में दहशत का माहौल है। सूचना मिलने पर एमआईजी थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया। पुलिस ने घायल युवक और प्रत्यक्षदर्शियों के बयान दर्ज कर मामला कायम कर लिया है। पुलिस के अनुसार हमले का आरोपी गौत्तम फिलहाल फरार है। उसकी गिरफ्तारी के लिए लगातार दबिश दी जा रही है। पुलिस आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है और आरोपी के संभावित ठिकानों पर तलाश कर रही है। प्रारंभिक जांच में विवाद की वजह आपसी कहासुनी बताई जा रही है, हालांकि पुलिस दोनों पक्षों के पुराने विवाद और अन्य पहलुओं की भी जांच कर रही है।

एमजीएम मेडिकल कॉलेज हॉस्टल से कूदकर छात्र ने दी जान

■ इंदौर । संभाग पोस्ट

इंदौर के एमजीएम मेडिकल कॉलेज के बॉयज हॉस्टल में रविवार देर रात एक पीजी डॉक्टर की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। डॉक्टर का शव हॉस्टल की पांचवीं मंजिल से नीचे गिरा हुआ मिलने के बाद पूरे मेडिकल कॉलेज परिसर में सनसनी फैल गई। घटना रविवार और सोमवार की दरमियानी रात करीब 2 से 3 बजे के बीच की बताई जा रही है। मामले की जानकारी मिलते ही पुलिस और एफएसएल टीम मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी गई। छात्र की पहचान डॉ. अमन पटेल (30 वर्ष) के रूप में हुई है। वह मेडिसिन विभाग में फाइनल ईयर के पीजी छात्र थे और मूल रूप से जबलपुर के रहने वाले थे। जानकारी के अनुसार उन्होंने एमबीबीएस की पढ़ाई भी जबलपुर से की थी और कुछ महीनों बाद उनका पीजी कोर्स पूरा होने वाला था। कॉलेज प्रशासन और साथी छात्रों के मुताबिक अमन पढ़ाई में बेहद होनहार और शांत स्वभाव के थे। बताया जा रहा है कि देर रात हॉस्टल के ब्लॉक नंबर-5 के पास किसी भारी वस्तु के गिरने जैसी आवाज सुनाई दी। इसके बाद जब छात्र बाहर पहुंचे तो अमन पटेल गंभीर हालत में नीचे पड़े मिले। तुरंत पुलिस और कॉलेज प्रशासन को सूचना दी गई। मौके पर पहुंची टीम ने उन्हें जांचा, लेकिन तब तक उनकी मौत हो चुकी थी। घटना के बाद हॉस्टल परिसर में हड़कंप मच गया और बड़ी संख्या में छात्र वहां एकत्र हो गए।

डॉ. हिमांशु केलकर
एम.डी., डी.सी.एच.
नवजात शिशु एवं बाल रोग विशेषज्ञ
मो. 9202238451
क्लिनिक: 20 जी/एच., गीतांजलि अपार्टमेन्ट, मार्केट रोड, विजय नगर
स्कीम नं. 54, इंदौर (म.प्र.) Email : himanshukelkar@rediffmail.com
समय : प्रातः 10.30 से 1.30 बजे, सायं 5.30 से 8.30 बजे तक
निवास : 7-बी, शालीमार टाउनशिप, ए.बी. रोड, इंदौर

श्री रवि इत्र सुगन्ध भण्डार
गुलाब, मोगरा, चन्दन, परफ्यूम इत्यादि के थोक एवं खेरची विक्रेता
प्रोपायटर : रवि सुगन्धी
मो. 9452665448
पता: हीरानगर, मेनरोड, सुखलिया, मिलन गार्डन के पास, इन्दौर

AFSL SERVICES INDIA LLP
Registered Under Ministry of Corporate Affairs & MSME, Govt of India
An ISO 9001: 2015 Certified Forensic Science Laboratory, LLPIN: ACN-6724
FORENSIC SCIENCE SERVICES
Scientific Assistance Towards Justice
• Crime Scene Investigation
• Handwriting, Signature & Documents Examination
• Fingerprint Examination
• Audio & Video Examination
• Voice Examination
• Computer/Cyber Crime Investigation
• Fire & Arson Investigation
• Insurance Fraud Investigation
• 65B IEA Certificate [63(4)(c) BSA]
• Cross Examination of forensic experts and reports
• Forensic Training & Internship
• Medicolegal Consultancy
• Photography Examination
• Forensic Consultancy.
www.appliedforensicresearchsciences.in

संदीप पवार
KP
॥ श्री गणेशाय नमः॥
Mob :-98260-68380
न्यू नर्मदा ट्रेडर्स
सीमेन्ट
बालू रेती
काली रेती, गिट्टी
ईंट एवं बिल्डिंग मटेरियल के विक्रेता
4, मंगलनगर, आई.टी.आई. रोड, बैंक ऑफ बड़ौदा के पास, पेट्रोल पम्प के पहले, इन्दौर (म.प्र.)

रामसेवक दुबे
9406621084
पूजा
बुक्स एण्ड स्टेशनर्स
CBCE स्कूल बुक्स
चिल्ड्रन बुक्स
ऑफिस स्टेशनरी
कम्प्यूटर स्टेशनरी
स्कूल स्टेशनरी एवं
गिफ्ट आयटम
6/3, सुंदर अपार्टमेन्ट, क्लर्क कालोनी चौराहा, श्री सत्य सांई बाल विनय मंदिर के सामने, इन्दौर मो

राहुल जनरल स्टोर्स
शॉप नं. 3 मालवा मिल चौराहा, इंदौर
मो. 9977732802

दिल्ली की तर्ज पर एमपी में भी वर्क फ्रॉम होम की तैयारी, सीएम मोहन यादव को भेजा प्रस्ताव

■ भोपाल । संभाग पोस्ट

देश में ऊर्जा संरक्षण, पर्यावरण बचाने और ईंधन की खपत कम करने को लेकर अब प्रशासन कमर कस चुका है. दिल्ली सरकार द्वारा सप्ताह में दो दिन वर्क फ्रॉम होम और मेट्रो मंडे लागू किए जाने के बाद मध्य प्रदेश में भी इस तरह व्यवस्था की मांग जोर पकड़ने लगी है. प्रदेश के कर्मचारी संगठनों ने मुख्यमंत्री को प्रस्ताव भेजकर मांग की है कि बढ़ती गर्मी, ट्रैफिक जाम, खराब सड़कों और ईंधन संकट को देखते हुए सरकारी और निजी संस्थानों में सप्ताह में दो दिन वर्क फ्रॉम होम लागू किया जाए.

दिल्ली के फैसले के बाद लामबंद हुए कर्मचारी संघ

बता दें कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा मिशन लाइफ और ऊर्जा संरक्षण को लेकर दिए गए संदेश के बाद दिल्ली सरकार ने मेरा भारत, मेरा योगदान अभियान शुरू किया है. इसके तहत आवश्यक सेवाओं को छोड़कर कई विभागों में सप्ताह में दो दिन घर से काम करने की व्यवस्था लागू की गई है. इसके साथ ही हर सोमवार को मेट्रो मंडे मनाने का फैसला लिया गया है, जिसमें मंत्री और अधिकारी सार्वजनिक परिवहन का उपयोग करेंगे. अब यही मॉडल मध्य प्रदेश में भी चर्चा का विषय बन गया है.

निजी संस्थानों में भी दो दिन वर्क फ्रॉम होम की मांग

अधिकारी-कर्मचारी संयुक्त मोर्चा और कर्मचारी पेंशनर्स महासंघ ने सरकार को पत्र लिखकर कहा है कि वर्तमान परिस्थितियों में यह व्यवस्था बेहद जरूरी हो गई है. संयुक्त मोर्चा के संयोजक एसबी सिंह का कहना है कि प्रदेश में सरकारी के साथ-साथ निजी संस्थानों में भी सप्ताह में दो दिन वर्क फ्रॉम होम लागू होना चाहिए. साथ ही लोगों को सार्वजनिक परिवहन अपनाने के लिए जागरूक भी किया जाए, ताकि पेट्रोल-डीजल की खपत कम हो सके.

भीषण गर्मी और जाम से राहत की उम्मीद

कर्मचारी संगठनों का कहना है कि प्रदेश में लगातार बढ़ रही गर्मी और शहरों में ट्रैफिक का दबाव कर्मचारियों के लिए बड़ी परेशानी बनता जा रहा है. कई क्षेत्रों में सड़कें खराब होने से रोजाना लंबा सफर करना मुश्किल हो रहा है. कर्मचारी पेंशनर्स महासंघ के अध्यक्ष प्रमोद तिवारी का कहना है कि यदि सप्ताह में दो दिन घर से काम करने की सुविधा मिलती है, तो कर्मचारियों को मानसिक तनाव से राहत मिलेगी और समय की भी बचत होगी.

पर्यावरण और सरकारी खर्च में भी होगी बचत

संगठनों का दावा है कि वर्क फ्रॉम होम लागू होने से सरकारी कार्यालयों में बिजली की खपत घटेगी और सड़कों पर वाहनों की संख्या कम होने से प्रदूषण भी घटेगा. अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बढ़ते तनाव और ईंधन संकट के बीच यह कदम सरकार के लिए आर्थिक रूप से भी फायदेमंद साबित हो सकता है. अब निगाहें मुख्यमंत्री के फैसले पर टिकी हैं कि क्या मध्यप्रदेश भी दिल्ली माडल अपनाकर प्रशासनिक बदलाव की दिशा में कदम बढ़ाएगा.

भट्टी की तरह तप रहे इंदौर-उज्जैन

पारा फिर 43 डिग्री, लू का अलर्ट

■ इंदौर । संभाग पोस्ट

मध्य प्रदेश में भीषण गर्मी पड़ रही है। इंदौर और उज्जैन संभाग में सबसे ज्यादा गर्मी है। रविवार को इंदौर में पारा 42.8 और उज्जैन में 43 डिग्री रहा। शनिवार रात को भी इंदौर में पारा 26 डिग्री रहा जो समान्य से एक डिग्री अधिक है। रविवार को सुबह से ही गर्म हवाएं चलने लगी और दोपहर में तो सड़कें पूरी तरह से सूनी दिखी। लोगों ने 12 बजे के बाद घरों में रहना ही पसंद किया। रविवार होने के बावजूद बाजारों में भीड़ नहीं देखी गई और लोग शाम 6 बजे के बाद में ही घरों से निकले।

रतलाम में पारा 44.8 पर पहुंचा

रतलाम में गर्मी ने भीषण कहर बरपाया है। रतलाम में आज दिन का पारा 44.8 डिग्री रहा। मध्यप्रदेश के 10 से अधिक जिलों में पारा 43 डिग्री के पार चल रहा है। मौसम विभाग के मुताबिक अभी तीन दिन तक लू चलने का अलर्ट है। अधिकांश जिलों में लोगों को भीषण गर्मी का सामना करना पड़ेगा।

मौसम विभाग ने जारी की चेतावनी

मौसम वैज्ञानिक एचएस पांडे ने कहा कि अगले 3 दिन यानी 18, 19 और 20 मई को प्रदेश के अधिकांश हिस्सों में भीषण गर्मी पड़ेगी। दोपहर 12 से 3 बजे तक ज्यादा असर रहेगा। ऐसे में लोग जरूरी होने पर ही घरों से बाहर निकले। घर से बाहर निकलने पर लगातार पानी पिएं और चेहरे और पूरे शरीर को सूती कपड़े से ढंककर रखें।

मई में 13 दिन गिरा पानी, मालवा निमाड़ सूखा ही रहा

मध्य प्रदेश में 30 अप्रैल से आंधी-बारिश का दौर शुरू हो गया था। लगातार 11 दिन यानी 10 मई तक प्रदेश में बारिश हुई। कभी वेस्टर्न डिस्टरबेंस (पश्चिमी विक्षोभ) का असर देखने को मिला तो कभी चक्रवात और टर्फ का। इस वजह से मई के पहले सप्ताह में बारिश हुई। 11 मई को आंधी-बारिश का दौर थमा। लेकिन 12, 13, 14 और 15 मई को फिर मौसम का मिजाज बदल गया। इस तरह मई के 16 में से 13 दिन आंधी, बारिश या ओलावृष्टि का असर रहा। हालांकि इस दौरान भी मालवा निमाड़ के अधिकांश जिलों में गर्मी ने कहर बरपाया। इंदौर समेत आसपास के जिलों में न तो बारिश हुई न ही ठंडी हवाओं ने राहत दी।

आबकारी नियमों की धज्जियां

उड़ा रहे शराब ठेकेदार

दुकानों से रेट लिस्ट गायब

प्रिंट रेट से अधिक वसूल रहे दाम

■ खरगोन । संभाग पोस्ट

जिला मुख्यालय सहित ग्रामीण अंचलों में संचालित अधिकांश मदिरा दुकानों पर आबकारी विभाग के नियमों की खुलेआम धज्जियां उड़ाई जा रही हैं। मध्यप्रदेश सरकार और आबकारी आयुक्त के कड़े निर्देशों के बावजूद खरगोन जिले की अधिकांश शराब दुकानों से 'रेट लिस्ट' गायब है। इस अव्यवस्था की आड़ में शराब ठेकेदारों के कारिंदे ग्राहकों से तय कीमत से कहीं अधिक दाम वसूल कर खुलेआम जेब काट रहे हैं।

नियमों के मुताबिक, हर देशी और विदेशी मदिरा दुकान के काउंटर पर न्यूनतम और अधिकतम बिक्री मूल्य की स्पष्ट रेट लिस्ट लगाना अनिवार्य है, ताकि ग्राहकों को सही कीमत की जानकारी मिल सके। लेकिन खरगोन की दुकानों का नजारा इसके बिल्कुल उलट है। ठेकेदारों ने मिलीभगत कर जानबूझकर रेट लिस्ट हटा दी है ताकि ज्यादा मुनाफा कमाया जा सके और चेकिंग के दौरान यह रेट लिस्ट वापस लगादी जाती है जिससे नियमों का पालन हो रहा है यह भी दिखाया जा सके। ये लोग रेट लिस्ट न होने का सीधा फायदा उठाकर अतिरिक्त रुपये वसूल रहे हैं। यदि कोई जागरूक ग्राहक प्रिंट रेट देखकर विरोध करता है, तो शराब दुकानदार उनके साथ अभद्र व्यवहार पर उतारू हो जाते हैं। इसके अलावा, नियमानुसार ग्राहकों को बिल देना अनिवार्य है, लेकिन खरगोन की किसी भी दुकान पर बिल देने की जहमत नहीं उठाई जा रही है।

खरगोन में यह चर्चा भी जोरों पर है कि मदिरा दुकानों पर हो रही इस अवैध वसूली का एक बड़ा हिस्सा प्रदेश के बड़े रसूखदार तंत्र तक पहुंच रहा है। नागरिकों का कहना है कि बिना किसी ऊंचे संरक्षण के, ठेकेदार इतने बेखौफ होकर सरकारी नियमों की धज्जियां नहीं उड़ा सकते।

कार्यालय पताः 201, दूसरी मंजिल, इंदौर प्रेस क्लब परिसर, एम.जी. रोड, (जिला न्यायालय के सामने), इंदौर (म.प्र.),
स्वामी/मुद्रक/प्रकाशक नवीन गलकर द्वारा अपनी दुनिया प्रिंटर्स, 13 प्रेस काम्पलेक्स, ए.बी. रोड, इंदौर (म.प्र.) से मुद्रित एवं ए-119, वीणा नगर, सुखलिया, इंदौर (म.प्र.) से प्रकाशित । संपादकः नवीन गलकर, मो. 9009919948